D.Ed

F4. Unit - 2 (c)

* समावेशी शिक्षा के अनुरूप विद्यालय संगठन एवं प्रबन्धन

* परिचय :-

समाज के ऐसे बच्चे जिन्हें निःशक्त कहा जाता है, जिनमें किसी प्रकार की शारीरिक अपंगता होती है। प्रारम्भ से ही ऐसे अपंग बच्चों के प्रति समाज का द्रष्टिकोण मित्रवत नहीं रहा है।

परन्तु धीरे-धीरे सामाजिक सोच व विचारधारा में परिवर्तन आया, जिसका परिणाम यह हुआ कि आज समावेशी शिक्षा की अवधारणा पर जोर दिया जा रहा है।

आज के समय में समावेशी शिक्षा एक वृहत अवधारणा बन चुकी है। इसके अन्तर्गत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के साथ-साथ उपेक्षित वर्ग के बालकों एवं पिछड़े बालकों को भी शामिल किया गया है।

* समावेशी शिक्षा, अर्थ एवं अवधारणा *

⇒ समावेशी शिक्षा एक आधुनिक शिक्षा प्रणाली है, साधारण शब्दों में जब हम सभी बालकों को उनके धर्म, जाति, संस्कृति, उनकी क्षमता और निर्योग्यता के आधार पर कक्षा में अलग-अलग न करके सबके साथ समान शिक्षा देते है, ऐसी व्यवस्था को समावेशी कहा जाता है।

Scanned with CamScanner